

आदेश

20.06.2018

यह पत्रावली बमुकाम अटल रोवा केन्द्र चूली पर पेश हुई।
प्रार्थी एवं अप्रार्थीगण अनुपस्थित। प्रार्थी ने राजस्थान काश्तकारी
अधिनियम की धारा 212 के तहत आवेदन प्रस्तुत कर अवगत
करवाया है कि प्रार्थी ने राजस्थान काश्तकारी अधिनियम की धारा
188 के तहत वाद प्रस्तुत किया है, जो विचाराधीन है। प्रार्थी का
कथन है कि वादग्रस्त खसरा नम्बर 41 गैर मुमकीन मगरी पर प्रार्थी
को अतिक्रमी बताकर अप्रार्थी संख्या 01 तहसीलदार बाडमेर द्वारा
राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम की धारा 91 के तहत बेदखली की
कार्रवाई हेतु नॉटिस जारी किया, जिसके जवाब में प्रार्थी ने अपनी
खातेदारी भूमि खसरा नम्बर 197/33 पर कदीमी कब्जा व काश्त
होना बताया है तथा वादग्रस्त खसरा नम्बर 41 पर उसका कोई
अतिक्रमण नहीं रहा व न ही काश्त की है। अप्रार्थी संख्या 01 द्वारा
उसके विरुद्ध धारा 91 आरएलआर की कार्रवाई स्थगित कर दी।
पुनः अप्रार्थी संख्या 01 द्वारा उसकी खातेदारी भूमि की सीमा में वृक्षों
यथा नीम, बबूल, खेजड़ी, जाल आदि को हटाने तथा उसके परिवार
को बेदखल करने पर उतारू है। प्रार्थी ने अपनी खातेदारी भूमि में
ही पर्यावरण की सुरक्षा हेतु वृक्षारोपण करवाया है और अप्रार्थी
संख्या 01 द्वारा उसके इस कार्य में हस्तक्षेप किया जा रहा है, जिसे
अस्थाई निषेधाज्ञा जारी कर रोके जाने का निवेदन किया।

प्रकरण पंजीयन कर अप्रार्थीगण को सुना गया। पत्रावली पर
उपलब्ध अभिलेख का अवलोकन किया गया। पत्रावली पर उपलब्ध
नॉटिस राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम की धारा 91 के अवलोकन
से स्पष्ट है कि प्रार्थी का ग्राम हापों की ढाणी के वादग्रस्त खसरा

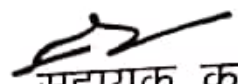


तारीख हुकम

हुकम कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

राजस्व आवेदन संख्या 1364/2017 अनवान कानाराम बनाम राजस्थान सरकार

नम्बर 41 पर अतिक्रमण है, जिसे बेदखल करने का अप्रार्थी संख्या 01 को पूर्ण अधिकार है। प्रार्थी का राजकीय भूमि पर अतिक्रमण होने से अप्रार्थी के विरुद्ध किसी प्रकार की सहायता पाने का अधिकारी नहीं है। ऐसी स्थिति में प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र सारहीन एवं तथ्यहीन होने से निरस्त किया जाता है। आदेश मजमे आम में सुनाया गया। पत्रावली फ़ैसल-सुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।


सहायक कलक्टर,
(एसडीओ) बाडमेर

